



**ऑग्रोमेट अँडवायझरी बुलेटीन**  
**ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर**  
**विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर**



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

**हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला समितीची साप्ताहिक बैठक दि. १३.०२.२०२६**

**जिल्हा : कोल्हापूर**

| मागील आठवड्यातील हवामान<br>(०७.०२.२०२६ ते १३.०२.२०२६) |      |      |        |                                       |      |      | हवामान घटक                   | पुढील पाच दिवसांचा हवामानाचा अंदाज<br>(१४.०२.२०२६ ते १८.०२.२०२६) |     |     |    |    |
|-------------------------------------------------------|------|------|--------|---------------------------------------|------|------|------------------------------|------------------------------------------------------------------|-----|-----|----|----|
| ०७                                                    | ०८   | ०९   | १०     | ११                                    | १२   | १३   | दिनांक                       | १४                                                               | १५  | १६  | १७ | १८ |
| ०.०                                                   | ०.०  | ०.०  | ०.०    | ०.०                                   | ०.०  | ०.०  | पाऊस (मिमी)                  | ०                                                                | ०   | ०   | ०  | ०  |
| ३१.०                                                  | ३२.० | ३१.८ | ३२.५   | ३२.८                                  | ३१.६ | ३१.५ | कमाल तापमान (अं.से.)         | ३३                                                               | ३३  | ३३  | ३२ | ३२ |
| १५.६                                                  | १६.२ | १५.८ | १५.५   | १६.४                                  | १७.२ | १४.६ | किमान तापमान (अं.से.)        | १८                                                               | १९  | १९  | १९ | १९ |
| ०                                                     | ०    | ०    | ०      | ०                                     | ०    | ०    | स. ढग स्थिती (आकाश)          | २                                                                | १   | २   | २  | २  |
| ०                                                     | ०    | ०    | ०      | ०                                     | ०    | ०    | दु.                          |                                                                  |     |     |    |    |
| ७८                                                    | ७२   | ७१   | ७७     | ६८                                    | ७२   | ७०   | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ५७                                                               | ५५  | ६१  | ७२ | ७७ |
| ४५                                                    | ४२   | ४२   | ३६     | ३४                                    | ४१   | ४१   | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | २८                                                               | २७  | २७  | २९ | ३० |
| ३.३                                                   | ३.२  | ३.२  | ३.०    | २.५                                   | ३.४  | ३.९  | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | ८                                                                | ६   | ३   | २  | ३  |
| पू.                                                   | ई.   | प.   | आ.     | पू.                                   | आ.   | वा.  | स. वाऱ्याची दिशा             | उ.                                                               | पू. | पू. | आ. | आ. |
| आ.                                                    | आ.   | आ.   | पू. आ. | आ.                                    | नै.  | आ.   | दु.                          |                                                                  |     |     |    |    |
| मागील आठवड्यातील पाऊस (मिमी)                          |      |      |        | पाऊस ०१.०१.२०२६ पासून आजपर्यंत (मिमी) |      |      |                              | पाऊस दिवस ०१.०१.२०२६ पासून आजपर्यंत                              |     |     |    |    |
| ३.२                                                   |      |      |        | ३.२                                   |      |      |                              | १                                                                |     |     |    |    |

**हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला**

| पीक                    | अवस्था              | कृषि विषयक सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|------------------------|---------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| हवामान सारांश          |                     | प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई यांचेकडून प्राप्त झालेल्या हवामान अंदाजानुसार कोल्हापूर जिल्ह्यामध्ये दिनांक १४ ते १८ फेब्रुवारी दरम्यान आकाश मुख्यतः स्वच्छ राहण्याची शक्यता आहे. कोल्हापूर जिल्ह्यामध्ये १८ फेब्रुवारी पर्यंत कमाल तामान ३२.० ते ३३.० अंश सेल्सिअस दरम्यान राहण्याची तसेच किमान तापमान १८.० ते १९.० अंश सेल्सिअस दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. सकाळची सापेक्ष आद्रता ५५ ते ७७% या दरम्यान तर दुपारची सापेक्ष आद्रता २७ ते ३० % या दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. वाऱ्याचा वेग ताशी २ ते ८ किमी या दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे.                                                                                                                   |
| विस्तारित श्रेणी अंदाज |                     | विस्तारित श्रेणीच्या अंदाजानुसार मध्य महाराष्ट्रामध्ये दिनांक ११ ते १७ फेब्रुवारी २०२६ दरम्यान पावसाचे प्रमाण सरासरी पेक्षा कमी राहण्याची, कमाल तापमान सरासरी पेक्षा कमी राहण्याची तसेच किमान तापमान सरासरी दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| सामान्य सल्ला          |                     | <ul style="list-style-type: none"> <li>कमाल तापमानमध्ये २ ते ३ अंश सेल्सिअसने वाढ होण्याची शक्यता असल्याने शेतकरी बांधवांनी स्वतःची व आपल्या पशुधनाची काळजी घ्यावी</li> <li>उसामध्ये खोड किडीच्या नियंत्रणासाठी उसाच्या शेतात प्रती हेक्टर ५ कामगंध सापळे (ई.एस.बी.ल्युर) शेतात लावावे.</li> <li>जमिनीमध्ये ओलावा टिकवून ठेवण्यासाठी उन्हाळी फळे तसेच भाजीपाला पिकांमध्ये आच्छादनांचा वापर करावापाणी देण्यासाठी शक्यतो ठिबक किंवा तुषार सिंचन पद्धतीचा वापर करावा.</li> </ul>                                                                                                                                                                                     |
| संदेश                  |                     | फेब्रुवारीमध्ये ऊस पिकास दररोज ३.२७ लिटर पाण्याची आवश्यकता असते त्यासाठी ठिबक सिंचन संच )४ लिटरचा ड्रीपर (दररोज ४९ मिनिटे चालवावा.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| रब्बी ज्वारी           | दाणे भरणे ते पक्कता | <ul style="list-style-type: none"> <li>पक्क होत असलेल्या ज्वारी पिकाचे पक्षांपासून संरक्षण करावे.</li> <li>ज्वारीच्या दाण्याच्या टोकाजवळ काळा ठिपक्याचे लक्षणे दिसताच ज्वारीची काढणी करावी व ८ ते १० दिवस कणसे उन्हात वाळवावीत</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| गहू                    | दाणे भरणे           | <ul style="list-style-type: none"> <li>गहू पेरणीस ८० ते ८५ दिवस झाले असल्यास दाणे भरण्याच्या अवस्थेत असताना पिकास पाणी द्यावे.</li> <li>लवकर पेरणी केलेल्या गहू कापणीच्या वेळी दाण्यातील ओलाव्याचे प्रमाण १५ % असावे.पिकाची कापणी पिक पक्क होण्याच्या २-३ दिवस आधी करावी त्यामुळे गव्हाचे दाणे शेतात झडण्याचा प्रकार आढळत नाही.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| हरभरा                  | पक्कता              | <ul style="list-style-type: none"> <li>पक्क झालेल्या हरभरा पिकाची काढणी व मळणी करावी. मळणी केलेले हरभरा /धान्य उन्हामध्ये ६ ते ७ दिवस वाळवावे आणि सुरक्षित ठिकाणी साठवून ठेवावे. साठवणूक करताना त्यामध्ये ५% कडुनिंबाचा पाला घालावा त्यामुळे कीड लागत नाही.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| भुईमुग                 | पेरणी/अंकुरणे       | <ul style="list-style-type: none"> <li>संरक्षित पाण्याची उपलब्धता असल्यासच उन्हाळी भुईमुग पेरणी १५ फेब्रुवारी पर्यंत करावी</li> <li>उन्हाळी भुईमुगास जमिनीच्या मगदुरानुसार ८ ते १० दिवसांच्या अंतराने पाणी द्यावे</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| ऊस                     | सुरु ऊस लागवड       | <ul style="list-style-type: none"> <li>सुरु ऊस लागणीसाठी पूर्व मशागतीची कामे पूर्ण करून दोन डोळा टिपरीने उसाची लागण १५ फेब्रुवारी पर्यंत करावी.</li> <li>उसाची लागण सलग पद्धतीने करताना दोन सऱ्यामधील अंतर मध्यम जमिनीत १ मीटर व भारी जमिनीत १.२० मीटर ठेवावे.</li> <li>तसेच जोड ओळ पद्धतीने लागण करावयाची असल्यास मध्यम जमिनीत २.५-५ फूट व भारी जमिनीत ३-६ फूट अंतर ठेवावे.</li> <li>लागणीपूर्वी वेणे १० ग्रॅम कार्बेन्डॅझिम १० लिटर पाण्यात मिसळून त्यामध्ये १० मिनिटे बुडवावे व १५-</li> <li>नंतर अँसेटोवॅक्टर व स्फुरद विरघळविणारे जिवानू अनुक्रमे १ किलो व १२५ ग्रॅम प्रति १०० लिटर पाण्यात मिसळून त्यात कांडया ३० मिनिटे बुडवून लगेच लागण करावी.</li> </ul> |



**अॅग्रोमेट अँडवायझरी बुलेटीन**  
**ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर**  
**विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर**



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

|                                                                                                                                                                                       |                |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>कलिंगड</b>                                                                                                                                                                         | <b>लागवड</b>   | <ul style="list-style-type: none"> <li>जमीन: मध्यम काळी आणि उत्तम निचऱ्याची माती लागवडीसाठी वापरावी.</li> <li>सुधारित जाती : साखर बेबी, अर्का मानिक, अर्का ज्योती.</li> <li>लागवडीचे अंतर : २.० x ०.५ मीटर.</li> <li>रासायनिक खते: टरबूज पिकासाठी एकूण खत मात्रा १००: ५०:५० किलो नत्र स्फुरद आणि पालाश प्रति हेक्टर आहे.</li> <li>एकूण खत मात्रेपैकी अर्धी नत्र मात्रा, म्हणजेच ५० किलो नत्र प्रति हेक्टर (२ गोणी १९ किलो युरिया) आणि संपूर्ण ५० किलो स्फुरद (६ गोणी १३ किलो सिंगल सुपर फॉस्फेट) व संपूर्ण ५० किलो पालाश (१ गोणी ३६ किलो म्युरेट ऑफ पोटॅश) लागवडीच्या वेळी द्यावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| <b>मिरची</b>                                                                                                                                                                          | <b>फुलोरा</b>  | <ul style="list-style-type: none"> <li>मागील आठवड्यामध्ये कोरडे हवामान राहिल्याने काही ठिकाणी कोळी किडीचा प्रादुर्भाव वाढला आहे. प्रादुर्भाव दिसून येताच नियंत्रणासाठी फेनप्रोपॅथ्रीन ३०% ईसी ५ मिली किंवा फेनॅक्झाक्झिन १० ई.सी. २५ मिली प्रति १० लीटर पाण्यातून फवारणी करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| <b>आंबा</b>                                                                                                                                                                           | <b>फळ धारण</b> | <ul style="list-style-type: none"> <li>कोरडे हवामान आणि तापमानात होणारी वाढीमुळे झाडाला ताण बसून फळगळ होण्याची शक्यता असते. आंबा फळांची फळगळ कमी करण्यासाठी पाण्याच्या उपलब्धतेनुसार आठवड्यातून एकदा १०० लिटर पाणी प्रति झाड किंवा १५ दिवसातून एकदा १५० ते २०० लिटर पाणी प्रति झाड या प्रमाणात फळे वाढणाऱ्या आकारापासून ते सुपारी आकाराची होईपर्यंत द्यावे.</li> <li>बागेमध्ये जमितीत ओलावा टिकवून ठेवण्यासाठी आच्छादनांचा वापर करावा</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| <b>पशुधन</b>                                                                                                                                                                          | <b>वाढीची</b>  | <p>कमाल तापमान वाढण्याची शक्यता असल्याने जनावरांचे आरोग्य आणि उत्पादकता व्यवस्थित ठेवण्यासाठी खालीलप्रमाणे काळजी घ्यावी</p> <p><b>१. पुरेशी सावली आणि हवेशीर :</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>जनावरांना थेट सूर्यप्रकाशापासून (उन्हापासून) बचावासाठी त्यांना सावलीमध्ये ठेवावे. सावलीसाठी योग्य हवेशीर असलेली शेड तयार केली जाऊ शकते.</li> <li>उष्णतेचा ताण टाळण्यासाठी हवा चांगली खेळती राहिल याची काळजी घ्यावी, ज्यामुळे दुधाच्या जनावरांमध्ये दूध उत्पादन आणि एकूण उत्पादकता व्यवस्थित राहू शकते.</li> </ul> <p><b>२. पाणी उपलब्धता:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>स्वच्छ, थंड पाण्याचा सतत पुरवठा उपलब्ध करावा. उन्हाळ्यात जनावरांच्या शरीरातील पाणी कमी होण्याचा धोका मोठा असतो, त्यामुळे प्राण्यांना नेहमीच पाणी उपलब्ध करावे.</li> <li>पाण्याच्या टाक्यांची नियमितपणे स्वच्छता करा आणि त्यांची निगा ठेवा जेणेकरून पाणीदूषित होणार नाही.</li> </ul> <p><b>३. कुकुटपालनासाठी थंड करण्याची व्यवस्था आणि वेंटिलेशन:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>शक्य असल्यास पंखे किंवा मिस्ट करणारी प्रणाली वापरा.</li> <li>कुकुटपालन शेडमध्ये थंडता राखण्यासाठी कुलर्स किंवा पंखे ठेवावीत</li> </ul> <p><b>४. आहारात बदल:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>उष्णतेच्या काळात, जनावरे आपला आहार कमी घेऊ शकतात. जनावरांना सहज पचणारा, पौष्टिक आहार द्यावा जेणेकरून त्यांची ऊर्जा टिकून राहिल.</li> <li>शक्यतो प्राण्यांना सर्वाधिक उष्णतेच्या काळात (दुपारी) आहार देण्याचे टाळावे आणि सकाळी किंवा संध्याकाळी त्यांना आहार द्या.</li> </ul> <p><b>५. सॉल्ट लिक्स आणि खनिज:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्राण्यांना खनिज ब्लॉक्स किंवा सॉल्ट लिक्स उपलब्ध करा, जेणेकरून ते आवश्यक खनिज मिळवू शकतील, जे उष्णतेमुळे आणि वाढीव पाण्याच्या वापरामुळे कमी होऊ शकतात.</li> </ul> |
| <p style="text-align: center;"><b>मेघदूत</b></p> <p>अॅप्लिकेशन डाउनलोड करण्यासाठी स्कॅन करावे</p>  |                | <p style="text-align: center;"><b>दामिनी</b></p> <p>अॅप्लिकेशन डाउनलोड करण्यासाठी स्कॅन करावे</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |

स्रोत

१) हवामान पूर्वानुमान

: प्रादेशिक हवामान पूर्वानुमान केंद्र, मुंबई.

२) मागील हवामान

: भारत मौसम विज्ञान विभाग वेधशाळा विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, कोल्हापूर

ठिकाण : कोल्हापूर

दि. : १३.०२.२०२६

स्वाक्षरीत

प्रमुख अन्वेषक, ग्राकृमौसे, ऐएमएफयु, कोल्हापूर तथा  
सहयोगी संशोधन संचालक,  
विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, कोल्हापूर